सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 14 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 14 फरवरी, 2022
मूल्य ₹ 3/-

क्रोध कभी बिना तर्क के नहीं होता लेकिन कभी-कभार ही एक अच्छे तर्क के साथ।
-इंदिरा गांधी

ये न राम के हैं, न काम... 2 असलहों के शौकीन हैं सियासी... 3 भाजपा ने यूपी को दिया भय और... 7

लोकतंत्र के महायज्ञ में वोट की आहुति, बूथों पर उमड़े मतदाता

- युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक में दिखा उत्साह, लोग लेते दिखे सेल्फी
- यूपी विधान सभा चुनाव के दूसरे चरण में कई दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर
- सहारनपुर के चढ़ाव गांव में मतदान का बहिष्कार
- सपा का आरोप, साइकिल का बटन दबाने पर निकल रही कमल की पर्ची

4पीएम न्यूज नेटवर्क

फोटो: सुमित कुमार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव के दूसरे चरण में आज प्रदेश के नौ जिलों की 55 सीटों के लिए मतदान किया गया। लोकतंत्र के इस महायज्ञ में मतदाताओं ने वोट की आहुति डाली। पश्चिमी यूपी के दो जिलों के साथ रुहेलखंड के सात जिलों में मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक में उत्साह दिखायी पड़ा। युवा मतदाता सेल्फी लेते दिखे। कई स्थानों में ईवीएम में खराबी के कारण कुछ देर के लिए मतदान बाधित रहा।

दूसरे चरण में आज सहारनपुर, बिजनौर, मुरादाबाद, संभल, अमरोहा, रामपुर, बदायूं, बरेली और शाहजहांपुर में मतदान हुआ। आज 2.02 करोड़ मतदाता 586 प्रत्याशियों की तकदीर का फैसला करेंगे। इस चरण में 69 महिला प्रत्याशी भी हैं। एक बजे दोपहर तक औसत 39.07 फीसदी मतदान हुआ। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। अमरोहा के गजरौला के गांव तिगरी में पीठासीन अधिकारी की लापरवाही के कारण करीब 20 मिनट तक मतदान प्रभावित रहा। 201 बूथ के पीठासीन अधिकारी इकराम नकवी दस बजे बिना किसी को बताए मतदान केन्द्र छोड़कर चले गए। सहारनपुर के गंगोह विधान सभा क्षेत्र के अंबेहटा के गांव चढ़ाव में ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार किया है। ग्रामीणों ने एक पक्ष पर आरोप लगाया कि चार दिन पहले गांव की लड़की के अपहरण का प्रयास किया गया था जिसमें पुलिस ने उचित कार्रवाई नहीं की है। कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद ने शाहजहांपुर में अपनी पत्नी के साथ मतदान किया। रामपुर में केन्द्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी और शाहजहांपुर में यूपी के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने वोट डाला। वहीं सपा का आरोप है कि सहारनपुर के बेहट की बूथ संख्या 170 पर साइकिल का बटन दबाने पर वीवीपैट में कमल की पर्ची निकल रही है। सपा ने चुनाव आयोग से निष्पक्ष मतदान कराने की अपील की है।

39.07 फीसदी मतदान दोपहर एक बजे तक हुआ 55 सीटों के लिए वोटिंग

बरेली में कई बूथों पर ईवीएम खराब

बरेली में कुछ स्थानों पर ईवीएम की गड़बड़ी के चलते मतदान देर से शुरू हुई। मौजूद पीठासीन अधिकारियों ने संबंधित सेक्टर मजिस्ट्रेट को सूचना भेजी। इसके बाद मशीनों को बदला गया।

उत्तराखंड और गोवा में भी वोटिंग

नई दिल्ली। उत्तराखंड की 70 और गोवा की चालीस सीटों के लिए वोट डाले जा रहे हैं। उत्तराखंड में सीएम पुष्कर सिंह धामी की अगुवाई में भाजपा दोबारा जनादेश के लिए उतरी है तो कांग्रेस सत्ता में वापसी को जोर आजमाइश कर रही है। गोवा में इस बार भाजपा-कांग्रेस के अलावा आम आदमी पार्टी और टीएमसी भी मैदान में है।

2.02 करोड़ मतदाता 586 प्रत्याशियों की तकदीर का करेंगे फैसला

संभल के भाजपा प्रत्याशी पर हमला

संभल जिले की असमोली विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी ह्रदेंद्र उर्फ रिंकू पर हमला किया गया। लाठी डंडों से लैस दबंगों ने उन पर हमला किया। भाजपा प्रत्याशी की गाड़ी में जमकर तोड़फोड़ की गई है। पुलिस ने मौके से दो लोगों को हिरासत में लिया है।

पीठासीन अधिकारी की हृदयाघात से मौत

सहारनपुर के नकुड़ विधान सभा के सरसावा थाना इलाके के गांव ढिक्का के बूथ नंबर 117 के पीठासीन अधिकारी की हृदय गति रुकने से मौत हो गई। थानाध्यक्ष सरसावा धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि पीठासीन अधिकारी राशिद अली (55) सहारनपुर के कैलाशपुर गांव के रहने वाले थे।

झूठे विज्ञापनों से भाजपा कर रही गुमराह: अखिलेश

- किसानों की दोगुनी नहीं हुई आय, युवाओं को नहीं मिला रोजगार
- व्यापारियों को किया बर्बाद, भाजपा का सफाया तय, गठबंधन की बनेगी सरकार
- झांसी में सपा प्रमुख ने चुन-चुनकर किए वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

झांसी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने झांसी में जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि झांसी के लोग इस बार सभी सीटों पर सपा को जिताएंगे। पहले चरण में जनता ने सपा और रालोद गठबंधन के पक्ष में ऐतिहासिक मतदान किया है। बुंदेलखंड की जनता ने हमेशा सपा का साथ दिया है। भाजपा सरकार ने बुंदेलखंड की जनता को क्या दिया? भाजपा के नेता लोगों को सपने दिखा रहे हैं। इतना निराश किसी भी सरकार ने नहीं किया है जितना भाजपा की डबल इंजन सरकार ने किया है। बाबा मुख्यमंत्री को नींद नहीं आ रही है। कह रहे हैं यह चुनाव अस्सी-बीस का है। यह चुनाव उत्तर प्रदेश के भविष्य का चुनाव है। यह खुशहाली का चुनाव है। ये लोकतंत्र और संविधान को बचाने का चुनाव है।

उन्होंने कहा कि इनका जितना बड़ा नेता है वह उतना बड़ा झूठ बोल रहा है। भाजपा ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया लेकिन किसी की आय दोगुनी नहीं हुई। कमाई आधी हो गयी। महंगाई और भ्रष्टाचार ने यूपी के व्यापारियों को बर्बाद कर दिया। झूठे विज्ञापन लगाए जा रहे हैं। लाखों रोजगार देने का दावा कर रहे हैं लेकिन युवाओं को रोजगार नहीं मिला। लखनऊ में लैपटॉप बांटे, स्मार्ट फोन बांटे लेकिन यहां किसी को नहीं मिला। बाबा मुख्यमंत्री स्मार्ट फोन भी नहीं चला पाते हैं। अन्ना पशुओं के लिए आया पैसा कहां चला गया। प्रदेश में गौशालाएं कहां बनायी गयीं।

डबल इंजन की सरकार में भ्रष्टाचार-महंगाई हुई डबल : अखिलेश

किसानों को कुचलकर मार दिया, झांसा दे रही है भाजपा

नौजवानों को नहीं मिल रहा रोजगार, सपा देगी फसलों पर एमएसपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार में महंगाई और भ्रष्टाचार डबल हो गई है। भाजपा ने कानून व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। अपराधी और माफिया खुलेआम क्रिकेट खेल रहे हैं। पुलिस उनके लिए पिच बनाती है। भाजपा सरकार में पुलिस बेलगाम हो गई। वह खुद गुंडागर्दी और अपराधों में लिप्त हो गई। एक आईपीएस आज भी फरार है। गोरखपुर में व्यापारी की होटल में पीटकर हत्या कर दी गई। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के बेटे ने किसानों को कुचल कर मार दिया। ऐसी घटना दुनिया में कहीं नहीं हुई।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर कोई भी अपराधी, गुंडा, माफिया बचकर नहीं निकल पाएगा। अपराधिक तत्वों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेंगे। भाजपा सरकार में हुई आपराधिक घटनाओं को प्रदेश की जनता कभी नहीं भूल सकती है। हाथरस की बेटी के शव को परिवार की इच्छा के खिलाफ रात में जबरदस्ती जला दिया गया। पुलिस ने परिवार वालों को अंतिम संस्कार नहीं करने दिया। भाजपा के लोग झांसा दे रहे हैं और झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार में हर वर्ग के साथ अन्याय और अत्याचार हुआ है। नौजवानों को नौकरी और रोजगार नहीं मिला। नौकरी और रोजगार मांगने पर सरकार ने लाठी चलाई। किसानों को उनकी फसलों का सही मूल्य नहीं मिला। गन्ना किसानों का भुगतान नहीं हुआ। धान किसान लुट गया। भाजपा सरकार की नजर किसानों की फसलों के साथ-साथ उनकी जमीन पर थी। किसानों की फसल और जमीन छीनने के लिए भाजपा सरकार तीन काले कानून लेकर आई थी लेकिन हमारे किसानों ने आंदोलन के बल पर भाजपा सरकार को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। किसान आंदोलन में 700 किसान शहीद हुए। उन्होंने कहा कि सपा सरकार बनने पर सभी शहीद किसानों की याद में किसान स्मारक बनाया जाएगा और उनके परिवारों की 25- 25 लाख देकर मदद की जाएगी। किसानों की सभी फसलों की खरीद एमएसपी पर की जाएगी। हम किसानों के लिए मंडियां बनाएंगे। भाजपा ने महंगाई को बहुत बढ़ा दिया है। डीजल, पेट्रोल से लेकर गैस सिलेंडर और अन्य खाने पीने वाली चीजों तथा सरसों के तेल के दाम बहुत बढ़ गए। चुनाव खत्म होते ही भाजपा सरकार फिर डीजल, पेट्रोल के दाम बढ़ाएगी। गरीबों की जेब काटकर सरकार उद्योगपतियों की तिजोरी भर रही है। भाजपा सरकार में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और घोटाला हो रहा है। अभी गुजरात के व्यापारी 28 बैंकों का 22 हजार करोड़ से ज्यादा लेकर फरार हो गए। यह पैसा आम जनता, गरीबों, किसानों और मजदूरों का है। जनता अपना पैसा बैंक में रखती है, बड़े उद्योगपति उसको लेकर फरार हो जाते हैं। इससे पहले भी गुजरात के व्यापारी बैंकों का पैसा लेकर भाग गए थे। किसान, गरीब और नौजवान को बैंक से कर्ज लेने के लिए अपनी जमीन और घर गिरवी रखनी पड़ती है।

देश की सियासी दिशा तय करेगा चुनाव

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश का चुनाव देश का बहुत बड़ा चुनाव है। उत्तर प्रदेश के साथ-साथ देश की राजनीतिक दिशा को तय करेगा। यह नौजवानों और किसानों के भविष्य का चुनाव है। संविधान और लोकतंत्र बचाने का चुनाव है। भाजपा बाबा साहब के संविधान को बदलना चाहती है। हम लोग लोकतंत्र और संविधान बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। उत्तर प्रदेश के विकास के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। हमने क्षेत्रीय दलों को साथ लेकर गठबंधन बनाया है। गठबंधन उत्तर प्रदेश में सरकार बनाने जा रहा है।

बसपा ने जारी की 47 प्रत्याशियों की सूची

पूर्वांचल के कई जिलों के प्रत्याशियों के नामों की घोषणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। यूपी विधान सभा चुनाव के लिए बसपा ने अपने प्रत्याशियों की एक और सूची जारी की है। सातवें चरण की इस सूची में पूर्वांचल के 47 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया गया। इसमें वाराणसी, आजमगढ़, जौनपुर, मऊ, गाजीपुर, चंदौली, मिर्जापुर, भदोही और सोनभद्र जिले की विधान सभा सीटों से लड़ने वाले प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की गई है।

बसपा की ओर से उम्मीदवारों की सूची जारी होने के बाद पूर्वांचल में कई सीटों पर प्रमुख दलों के उम्मीदवारों की स्थिति स्पष्ट हो चुकी है। इस प्रकार अब पूर्वांचल में सियासी संग्राम की तस्वीर भी काफी हद तक साफ हो गई है। सातवें चरण में पूर्वांचल के 9 जिलों के 61 विधान सभा क्षेत्र में सात मार्च को मतदान होगा। पिंडरा से बाबूलाल पटेल, अजगरा (सु) से रघुनाथ चौधरी, शिवपुर से रवि मौर्या, रोहनिया से अरुण सिंह पटेल, वाराणसी उत्तरी से श्याम प्रकाश उर्फ रेखा राजभर, वाराणसी दक्षिणी से दिनेश कसोधन गुप्ता, कैंट से कौशिक कुमार पांडेय ओर सेवापुर से अरविंद कुमार त्रिपाठी को चुनाव मैदान में उतारा गया है। इसके अलावा अन्य जिलों के विधान सभा सीटों के लिए प्रत्याशियों के नामों का ऐलान किया गया है।

प्रत्याशी को जान से मारने की धमकी

कौशांबी। सिराथू विधान सभा से बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे मुंसब अली को फोन पर जान से मारने की धमकी दी गई। धमकी भरा फोन रविवार शाम उस वक्त आया जब वह क्षेत्र में चुनाव प्रचार कर रहे थे। घटना की तहरीर मुंसब अली ने सैनी कोतवाली में दी है। सिराथू विधान सभा से डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य भाजपा के प्रत्याशी हैं। इस वजह से यह सीट जिले की सबसे हॉट मानी जाती है। सपा ने यहां पर अपना दल कमेरावादी की कार्यकारी अध्यक्ष पल्लवी पटेल को प्रत्याशी बनाया है। बसपा ने यहां पहले से घोषित उम्मीदवार संतोष त्रिपाठी का नामांकन के अंतिम दिन टिकट काटते हुए परास गांव निवासी मुंसब अली को प्रत्याशी बनाया। इस बाबत इंस्पेक्टर तेज बहादुर का कहना है कि वह क्षेत्र में हैं। तहरीर मिलने की जानकारी नहीं है। अगर तहरीर दी गई है तो जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

मैं अपने भाई के लिए जान भी दे सकती हूं : प्रियंका गांधी

सीएम योगी के बयान पर कांग्रेस महासचिव ने किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक पार्टियां पूरे दम से जुटी हैं। नेता एक दूसरे पर निशाना साधने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। इसी क्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ के एक बयान पर कांग्रेस की महासचिव व यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने पलटवार किया। प्रियंका ने कहा कि मैं अपने भाई के लिए जान दे सकती हूं। मेरा भाई भी मेरे लिए जान दे सकता है तो विवाद कौन सा?

सीएम योगी आदित्यनाथ के ट्वीट भाई-बहन के आपसी विवाद और वर्चस्व के कारण कांग्रेस डूब जाएगी का जवाब कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने दिया है। उन्होंने कहा कि मैं अपने भाई के लिए अपनी जान दे दूंगी और मेरा भाई भी मेरे लिए अपनी जान दे देगा तो विवाद कौन-सा? योगी जी के मन में विवाद है। प्रियंका गांधी ने कहा कि लगता है कि मोदी, अमित शाह और योगी के बीच में जो विवाद चल रहा है उसकी वजह से कह रहे हैं। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट कर कहा कि भाई-बहन के आपसी विवाद और वर्चस्व के कारण कांग्रेस डूब जाएगी। जिनकी स्वयं की पहचान संदिग्ध है, उनके मुंह से हिन्दू शब्द की परिभाषा सुनकर मुझे आश्चर्य होता है। उन्हें बताया जाना चाहिए उनके परनाना तो स्वयं को एक्सीडेंटल हिन्दू कहते थे।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

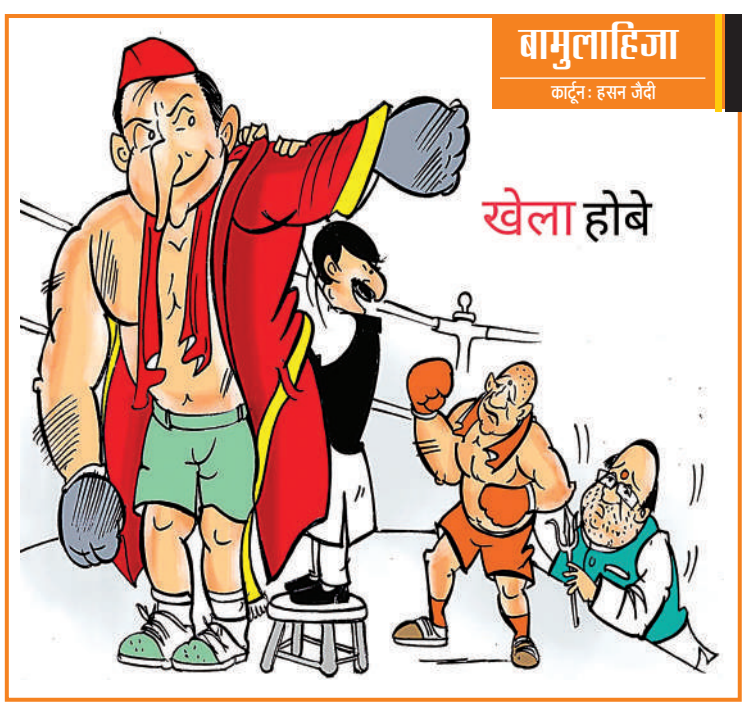

ये न राम के हैं, न काम के : संजय सिंह

बिल्हौर में संजय सिंह ने भाजपा पर साधा निशाना

आप की सरकार बनी तो युवाओं को देंगे रोजगार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिल्हौर। आम आदमी पार्टी के लिए समर्थन जुटाने के लिए प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह भी रैली कर रहे हैं। रविवार को बिल्हौर विधान सभा क्षेत्र के अरौल कस्बे में आयोजित जनसभा में उन्होंने भाजपा पर हमला किया। उन्होंने कहा कि ये न राम के हैं, न काम के हैं और न ही आम के हैं।

आप प्रदेश प्रभारी व राज्य सभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि भाजपा के पास विधान सभा चुनाव में कोई मुद्दा नहीं है इसलिए वह लोगों को आपस में लड़ाने की बात कर रहे हैं। भाजपा का नाम ही भारतीय झगड़ा पार्टी है, यह लोग अस्सी बीस की बात करके लोगों को मुद्दों से भटकाने का काम कर रहे हैं। प्रदेश में नौजवानों को रोजगार नहीं मिले हैं, वहीं आवाज उठाने पर डंडे बरसाने का काम किया गया है। भाजपा से सावधान रहें यह न राम के हैं न काम के हैं और नाही आम के हैं। अब आपको तय करना है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में विकास कर देश में एक मॉडल प्रस्तुत किया है। हमें अस्पताल बनाना, सड़क व स्कूल बनाना, फ्री बिजली देना व बस में माताओं, बहनों को फ्री सफर कराना आता है। उत्तर प्रदेश में सरकार बनने पर हम तीन सौ यूनिट बिजली फ्री देंगे, किसानों को मुफ्त बिजली दी जाएगी, वही पुराने बकाया बिल भी नहीं देने पड़ेंगे। दस लाख युवाओं को नौकरी देंगे। नौकरी न मिलने तक उन्हें प्रति माह एक हजार रुपए बेरोजगारी भत्ता माताओं बहनों को एक हजार प्रतिमाह, किसानों को फसल का दाम 24 घंटे में देने का काम करेंगे। हम जो कहते हैं उसको पूरा करके भी दिखाते हैं। उन्होंने लोगों से आम आदमी पार्टी प्रत्याशी को जिताने की अपील की।

असलहों के शौकीन हैं सियासी दलों के उम्मीदवार, पत्नियां भी रखती हैं शस्त्र

प्रयागराज, प्रतापगढ़ और कौशांबी में चुनावी मैदान में उतरे कई प्रत्याशियों के पास है हथियार

» रिवाल्वर, पिस्टल और बंदूक का है लाइसेंस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। विधान सभा चुनाव में उतरे तमाम प्रत्याशी असलहों के शौकीन हैं। वहीं कई उम्मीदवारों की पत्नियां भी शस्त्रधारक हैं। उनके पास रिवाल्वर, पिस्टल, बंदूक, एसवीवीएल गन तक है। प्रयागराज, प्रतापगढ़ और कौशांबी जनपद में मैदान में उतरे कई उम्मीदवारों के पास हथियार है।

प्रयागराज जनपद के शहर दक्षिणी के बसपा प्रत्याशी देवेंद्र मिश्र नगरहा के पास एक रिवाल्वर, एक दो नली बंदूक और सपा उम्मीदवार रईश चंद्र शुक्ला के पास एक रिवाल्वर है। यहीं से भाजपा प्रत्याशी नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' के पास एक रायफल, एक पिस्टल, एक एसवीवीएल गन है जबकि उनकी पत्नी अभिलाषा गुप्ता के पास एक रायफल, एक पिस्टल और एक एसवीवीएल गन है। शहर उत्तरी के कांग्रेस उम्मीदवार अनुग्रह नारायण सिंह के पास रिवाल्वर, पिस्टल और पत्नी गीता सिंह के पास रायफल व रिवाल्वर है। भाजपा प्रत्याशी हर्षवर्धन बाजपेयी के पास पिस्टल और सिंगल बैरल बंदूक है। शहर पश्चिमी से बसपा प्रत्याशी गुलाम कादिर पिस्टल रखते हैं। करछना से भाजपा प्रत्याशी पीयूष रंजन निषाद के पास पिस्टल और रायफल है तो बसपा उम्मीदवार अरविंद कुमार शुक्ला के पास भी रायफल है। मेजा से भाजपा प्रत्याशी नीलम करवरिया के पास पिस्टल है तो उनके पति उदयभान करवरिया पिस्टल और रायफल के मालिक हैं। यहीं से सपा प्रत्याशी संदीप सिंह के पास भी रायफल और पिस्टल है। प्रतापपुर से सपा प्रत्याशी विजमा यादव रायफल और बंदूक रखती हैं। यहां से अपना दल (एस) के प्रत्याशी राकेशधर त्रिपाठी के पास रिवाल्वर और रायफल है। यहीं से बसपा उम्मीदवार घनश्याम पांडेय रिवाल्वर रखते हैं।

सोरांव से बसपा प्रत्याशी आनंद भारतीय रिवाल्वर, सपा उम्मीदवार गीता शास्त्री (पासी) रायफल और गन की मालिक हैं। फूलपुर से भाजपा प्रत्याशी प्रवीण पटेल के पास एक पिस्टल है तो सपा उम्मीदवार मुज्तबा सिद्दीकी भी पिस्टल रखते हैं। हंडिया से सपा के टिकट से मैदान में उतरे हाकिम लाल बिंद के पास पिस्टल है तो वहीं भाजपा-निषाद पार्टी गठबंधन के प्रत्याशी प्रशांत सिंह के पास पिस्टल और रायफल है। बारा से सपा उम्मीदवार अजय मुन्ना के पास रायफल, पिस्टल और अपना दल (एस) के प्रत्याशी वाचस्पति के पास बंदूक, रायफल और रिवाल्वर है। इनकी पत्नी के पास भी पिस्टल है। कोरांव से कांग्रेस उम्मीदवार रामकृपाल के पास रिवाल्वर, रायफल, डीवीएल गन है। यहीं से बसपा प्रत्याशी रामबली जैसल के पास भी रायफल और रिवाल्वर है। रामपुर खास सीट से कांग्रेस उम्मीदवार आराधना मिश्रा मोना के पास भी पिस्टल का लाइसेंस है, वहीं उनके पति अंबिका मिश्रा के पास पिस्टल और बंदूक है।

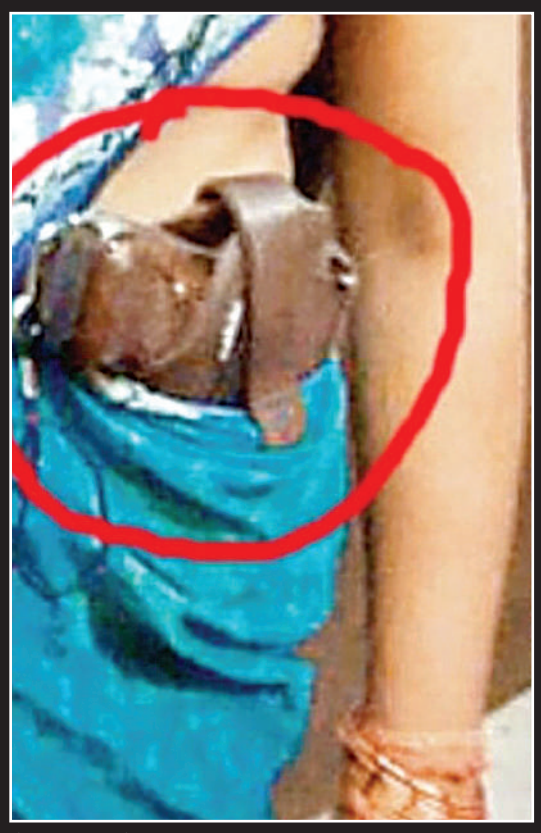

उपमुख्यमंत्री के पास रिवाल्वर और रायफल

कौशांबी जनपद के सिराथु सीट से मैदान में उतरे भाजपा प्रत्याशी व वर्तमान उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के पास एक रिवाल्वर और एक रायफल है। यहीं से बसपा उम्मीदवार मुनसब अली के पास भी रिवाल्वर और बंदूक है।

रघुराज प्रताप के परिवार में छह शस्त्र

कुंडा सीट से जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के उम्मीदवार रघुराज प्रताप सिंह 'राजा भैया' के पास रिवाल्वर, पिस्टल और बंदूक है तो वहीं उनकी पत्नी भानवी सिंह के पास पिस्टल, रायफल और बंदूक है। बाबागंज सीट से जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के प्रत्याशी विनोद कुमार के पास भी एक रिवाल्वर है।

भाजपा के लिए लोक सभा का रोडमैप तैयार करेगा 2022 का चुनाव

कानपुर-बुंदेलखंड की 52 सीटों पर भाजपा की स्थिति अच्छी

भाजपा के थिंक टैंक ने लोक सभा में 70 पार और इस बार 300 सीटों का रखा लक्ष्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव में पिछली जीत दोहराने के लिए संघ और भाजपा के दिग्गजों के बीच बुंदेलखंड के जालौन में मंथन हुआ। सीटों की स्थिति से लेकर नेताओं की रैलियों तक बिंदुवार चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने कहा कि 2022 का चुनाव लोक सभा का रोडमैप तैयार करेगा। 2024 में यूपी में 70 से ज्यादा सीटें लाने के लिए विधान सभा चुनाव में 300 सीटें आना जरूरी हैं। जालौन में हुई बैठक में संघ की तरफ से सह सर कार्यवाह अरुण कुमार और भाजपा के यूपी प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान समेत देश-प्रदेश के वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल रहे। कानपुर-बुंदेलखंड की 52 सीटों पर संघ की तरफ से किए गए जमीनी सर्वे को पेश किया गया।

इन सीटों को ए, बी और सी श्रेणी में बांटा गया। बैठक में संघ के पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि 40 सीटों ए श्रेणी में होने से भाजपा की स्थिति अच्छी है। जबकि, छह-छह सीटें बी और सी श्रेणी में आई हैं। बी श्रेणी की सीटों को ए में लाने के लिए क्या-क्या प्रयास किए जा सकते हैं, इस पर सभी की राय ली गई। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि यूपी का विधान सभा चुनाव लोकसभा का सेमीफाइनल है। इस चुनाव में पूर्ण बहुमत के साथ-साथ 300 सीटें आनी जरूरी हैं। तभी 2024 में होने वाले आम चुनाव में 70 प्लस के लक्ष्य पूरा हो सकता है।

विशेष योजनाएं बनाएगा संघ, तेज होगा जनसंपर्क

कानपुर-बुंदेलखंड की सीटों पर तीसरे और चौथे चरण में मतदान होना है। इस अहम बैठक के बाद अब संघ सीटों के हिसाब से विशेष योजनाएं बनाकर काम करेगा। इसके अलावा जनसंपर्क भी तेज होगा। केंद्र, प्रदेश सरकार के लाभार्थियों पर ज्यादा फोकस रहेगा। लोगों से जाति-धर्म के बंधन से ऊपर उठकर राष्ट्रवाद को मद्देनजर रखते हुए वोट देने की अपील की जाएगी।

मोदी, योगी, केशव, उमा की मांग ज्यादा

कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र में किन-किन नेताओं की रैलियां कराई जा सकती हैं, इस पर पदाधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मांग सबसे ज्यादा है। इसके अलावा उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती की भी मांग है। ऐसे में इन नेताओं के दौरे कई जिलों में हो सकते हैं।

तीसरे चरण में बेहतर रणनीति के साथ उतरेंगे स्टार प्रचारक

उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव को लेकर भाजपा के साथ-साथ बसपा भी खुलकर बैटिंग कर रही है। प्रत्याशियों की घोषणा हो या फिर नामांकन, बसपा अभी तक हर प्रक्रिया में नंबर वन है। चुनाव में जीत दर्ज करने के लिए पार्टी प्रत्याशी अब फार्म में आ गए हैं। प्रत्याशियों की ओर से जबरदस्त जनसंपर्क किया जा रहा है। विधान सभा चुनाव में जीत दर्ज करने और मतदाताओं को रिझाने के लिए बसपा ने बेहतर रणनीति अपनानी शुरू कर दी है। अधिक से अधिक मतदाताओं को पार्टी के समर्थन में बसपा ने ट्रंप कार्ड की तैयारी कर रखी है। वहीं भाजपा भी अपने सुशासन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएंगी। तीसरे चरण से लेकर अंतिम चरण तक भाजपा व बसपा के स्टार प्रचारक इंटरनेट मीडिया समेत अन्य अधिकृत प्लेटफार्म पर दिखाई देंगे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

पटरी पर लौटती जिंदगी के अर्थ

देश भर में कोरोना की घटते केसों के कारण एक बार फिर जिंदगी पटरी पर लौटने लगी है। चुनावी शोर के बीच यूपी में भी सब-कुछ सामान्य होने लगा है। प्रदेश सरकार ने अधिकांश पाबंदियों को हटा दिया है। न केवल सभी स्कूलों और कॉलेजों को खोल दिया गया है बल्कि जिम, सिनेमाहाल व रेस्टोरेंट को पूरी क्षमता से संचालित करने का आदेश जारी कर दिया है। इसके अलावा सरकारी और निजी कार्यालय भी पूरी क्षमता से चलाए जा सकेंगे। हालांकि सभी कार्यालयों और संस्थानों में कोविड हेल्प डेस्क की स्थापना अनिवार्य होगी। इसके अलावा कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करना होगा। सवाल यह है कि दो वर्ष बाद सब-कुछ सामान्य होने का जनजीवन पर क्या और कैसा असर पड़ेगा? क्या रोजी-रोजगार के सवाल हल हो जाएंगे? क्या बाजार अपनी पुरानी चाल पर चल सकेगा? क्या बच्चे खुद को बेहतर और सहज महसूस कर सकेंगे? क्या कोरोना का खतरा पूरी तरह टल गया है? क्या उद्योग-धंधों और पर्यटन को पंख लग सकेंगे? क्या महंगाई पर अंकुश लग पाएगा?

पिछले दो सालों से पूरा देश कोरोना महामारी से जूझ रहा है। फिलहाल तीसरी लहर ढलान पर है और संक्रमण के केस तेजी से घट रहे हैं। मौतों का आंकड़ा भी काफी कम हुआ है। संक्रमण और मौत के मामलों में तीसरी लहर का जोर अन्य राज्यों की अपेक्षा यूपी में अधिक दिखायी नहीं पड़ा और अधिकांश संक्रमित लोगों को अस्पताल जाने की नौबत नहीं आई। वे घर पर ही सामान्य इलाज से ठीक हो गए। यही वजह है कि सरकार ने कोरोना प्रोटोकॉल के पालन की शर्त के साथ अधिकांश पाबंदिया हटा ली हैं। जाहिर है इसका असर राज्य की पूरी व्यवस्था पर पड़ेगा। सबसे अधिक असर छोटे बच्चों पर पड़ेगा। वे अब ऑनलाइन शिक्षा से मुक्त होकर पहले की तरह कक्षाओं में दोस्तों के बीच बैठकर न केवल पढ़ सकेंगे बल्कि सामाजिक और शारीरिक गतिविधियों में भाग ले सकेंगे। इससे उनके अंदर के एकाकीपन और निराशा की भावना खत्म होगी और वे मानसिक रूप से और मजबूत होंगे। वहीं गरीब बच्चों को भी अब आसानी से शिक्षा और मिड-डे-मील मिल सकेगा। इससे कुपोषण की समस्या का भी निदान हो सकेगा। सभी कुछ सामान्य होने से प्रदेश में स्थानीय और विदेशी पर्यटकों की संख्या में इजाफा होगा जिससे इस उद्योग से जुड़े लोगों का रोजी-रोजगार चल सकेगा। उद्योग धंधों के कारण उत्पादन और मांग के बीच संतुलन कायम होगा और इसका सीधा असर बाजार और अर्थव्यवस्था की चाल पर पड़ेगा। वहीं आम जनमानस कोरोना जैसी महामारी की जकड़ से खुद को आजाद महसूस कर सकेगा।

“ सवाल यह है कि दो वर्ष बाद सब-कुछ सामान्य होने का जनजीवन पर क्या और कैसा असर पड़ेगा? क्या रोजी-रोजगार के सवाल हल हो जाएंगे? क्या बाजार अपनी पुरानी चाल पर चल सकेगा? क्या बच्चे खुद को बेहतर और सहज महसूस कर सकेंगे? क्या कोरोना का खतरा पूरी तरह टल गया है? क्या उद्योग-धंधों और पर्यटन को पंख लग सकेंगे?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बहुमत के तर्क और लोकतांत्रिक मूल्य

विश्वनाथ सचदेव

हमारी जनतांत्रिक व्यवस्था में सरकार भले ही प्रधानमंत्री चलाते हों पर कहलाती वह राष्ट्रपति की ही सरकार है इसीलिए, जब राष्ट्रपति संसद के दोनों सदनों को संबोधित करते हुए अपना अभिभाषण देते हैं तो सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए वे यही कहते हैं कि 'मेरी सरकार' ने यह-यह किया, फिर भले ही वे सरकार के किसी कृत्य से सहमत हों या न हों। राष्ट्रपति के इस बार के अभिभाषण में भी यही गिनाया गया कि सरकार ने क्या-क्या किया है, और यह भाषण पढ़ भले ही राष्ट्रपति रहे हों, पर उसके हर शब्द पर सरकार की स्वीकृति होती है।

फिर संसद में दोनों सदनों में इस पर बहस होती है, जिसे राष्ट्रपति के अभिभाषण के लिए धन्यवाद प्रस्ताव के रूप में रखा जाता है। यह प्रस्ताव तो पारित होना ही होता है, पर विपक्ष को अवसर अवश्य मिल जाता है सरकार के कार्यों की आलोचना करने का। अवसर सरकारी पक्ष को भी मिलता है अपनी बात रखने का, विपक्ष की आलोचना का जवाब देने का। स्पष्ट है, एक गंभीर बहस का अवसर होता है यह, पर अक्सर देखा गया है कि संसद में इस अवसर का समुचित उपयोग नहीं होता। बहरहाल, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई बहस में भी कुछ बातें सचमुच रेखांकित किये जाने लायक हैं। इनमें से एक कांग्रेस के नेता राहुल गांधी का वक्तव्य भी है। राहुल बहुत अच्छे वक्ता नहीं माने जाते, पर 'दो भारत' वाला उनका यह भाषण निश्चित रूप से ध्यान आकर्षित करने वाला था। यह तथ्य अपने आप में भयावह है कि स्वतंत्रता के इस कथित 'अमृत-काल' में देश की अधिसंख्य आबादी गरीबी का जीवन जी रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, देश के लगभग साढ़े आठ करोड़ नागरिक घोर गरीबी में जीते हैं। 15 करोड़ और भारतीय गरीबी रेखा से नीचे की स्थिति में पहुंच जाएंगे। इसके बरक्स देश में अरबपतियों की संख्या में वृद्धि आर्थिक विषमता की बढ़ती खाई की भयावहता ही उजागर करती है। यही हैं वे दो भारत, जिनके बीच की खाई को पाटना जरूरी है और यह काम नहीं हो रहा। बहुत पुरानी बीमारी है यह आर्थिक विषमता। वर्ष 1963 में यानी आज से आधी सदी पहले भी हमारी संसद में इस विषय को लेकर बहस हुई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सुरक्षा-व्यवस्था पर 25 हजार रुपये प्रतिदिन खर्च होने का सवाल उठाते हुए समाजवादी नेता राममनोहर लोहिया ने 'पंद्रह आना बनाम तीन आना' की आय का सवाल उठाया था। सरकार की ओर से कहा

गया था कि देश की प्रति व्यक्ति प्रतिदिन आय पंद्रह आना है, तब डॉ. लोहिया ने सरकारी आंकड़े देते हुए बताया था कि देश का नागरिक तीन आना प्रतिदिन पर गुज़र-बसर करने के लिए बाध्य है। पर तब की सरकार के मुखिया ने इसे मजाक में उड़ाने की कोशिश नहीं की थी। दुर्भाग्य से आज हमारी संसद में शोर-शराबे में समय अधिक व्यय होता है। कभी-कभार ही कोई गंभीर बहस होती दिखाई देती है। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर विपक्ष की आलोचना का उत्तर देते हुए कई बार जवाहरलाल नेहरू को उद्धृत किया है। देश के पहले प्रधानमंत्री ने संसदीय जनतंत्र की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए, 'काम के प्रति निष्ठा, सहयोग-सहकार की आवश्यकता, स्वानुशासन और संयम बरतने की महत्ता' की बात कही थी। नेहरू से राजनीतिक विरोध हो सकता है पर उनके इस कथन की उपयोगिता और उपयुक्तता के बारे में संदेह नहीं किया जाना चाहिए। सरकार के पास बहुमत है, अत: धन्यवाद प्रस्ताव तो पारित होना ही होता है। पर निस्संदेह यह एक ऐसा अवसर होता है जब हमारे सांसद, सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष दोनों, दलगत राजनीति से ऊपर उठकर गंभीर चिंतन-मनन कर सकते हैं। पर, दुर्भाग्य से, अक्सर ऐसा होता नहीं। उस दिन लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस के दौरान एक स्थिति तो ऐसी भी आयी जब कोरम का खतरा उत्पन्न हो गया था। यह चिंता की बात है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई बहस को विपक्ष और सत्तारूढ़ पक्ष दोनों को गम्भीरता से लेना होगा। सत्तारूढ़ पक्ष को यह तो दिख गया कि 'दो भारत' की बात उठाने वाला प्रधानमंत्री के उत्तर को सुनने के लिए उपस्थित नहीं था। संसद जनतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर है। उसकी महत्ता और पवित्रता की रक्षा करना जनतंत्र के हर नागरिक का कर्तव्य है। सांसदों का दायित्व और ज़्यादा होता है। राजा गोपालाचारी के वक्तव्य का उत्तर देते हुए प्रधानमंत्री नेहरू ने कहा था, 'मेरे साथ बहुमत है'। इस पर राजा ने कहा, 'पर तर्क मेरे साथ है'। बहुमत का आदर होना चाहिए, पर बहुमत के नाम पर तार्किकता को अनावश्यक मानना भी तो गलत है। मात्र बहुमत कुछ भी कहने-करने का अधिकार नहीं देता। इसलिए, सरकारी पक्ष को विपक्ष के प्रति सम्मान का भाव रखना चाहिए और विपक्ष को भी मर्यादा में रहना चाहिए।

देश व समाज हित में बिना प्रलोभन मतदान जरूरी

दीपक कुमार त्यागी

भारत एक लोकतांत्रिक व्यवस्था को मानने वाला देश है, जिसकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि देश का राजकाज चलाने के लिए खुद जनता ही चुनावों के माध्यम से अपने-अपने पसंदीदा राजनेताओं के पक्ष में बिना किसी जोर दबाव के पूर्ण स्वतंत्रता के साथ मतदान करके वोटों की ताकत के माध्यम से उनका चयन करती है, वोटों के माध्यम से जनता को मिली देश व प्रदेश का भाग्य विधाता तय करने की यही ताकत ही लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी खूबी है। उस प्रक्रिया का निर्वहन करने के लिए आजकल देश में पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की प्रक्रिया चल रही है। वैसे भी देखा जाये तो चुनावों का यह समय लोकतांत्रिक व्यवस्था को मानने वाले हमारे देश के लिए एक महापर्व के समान है, जिसके माध्यम से हम लोग अपना आज व अपने बच्चों का उज्वल भविष्य तय करने के लिए किसी एक प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करके उसका चयन करते हैं। लेकिन जिस तरह से धीरे-धीरे हम लोगों के रोजमर्रा के व्यवहार व आचरण में विभिन्न प्रकार की कुरीतियां आती जा रही हैं, उससे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था भी अछूती नहीं रही है।

आज हालात यह हो गये हैं कि हमारे देश में चंद सत्तालोलुप नेताओं व विभिन्न प्रलोभन में अपना मत देने वाले चंद वोटरों की क्षणिक स्वार्थी सोच से देश में चुनावों के माध्यम से अच्छे लोगों के चयन की प्रक्रिया प्रभावित होती जा रही है। देश में चुनावों के समय कुछ क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के फ्री गिफ्ट, शराब, पैसा आदि के क्षणिक प्रलोभनों में आने के चलते, चंद लोगों के द्वारा मतदान करते समय देश व सभ्य समाज के लिए बेहद घातक भ्रष्टाचारी, अपराधियों व चरित्रहीन जैसे गलत लोगों तक का चयन कर लिया जाता है, जो देश व समाज हित में उचित नहीं है, यह स्थिति हमारे देश के ईमानदार नेताओं व मतदाताओं के हक को प्रलोभनों के दम पर चंद गलत लोगों के द्वारा बंधक बनाने का प्रयास है।

निष्पक्ष रूप से आंकलन करें तो आज स्थिति यह हो गयी है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को देश के चंद भ्रष्ट व अपराधी अपनी आकूत दौलत के बलबूते गिरवी बनाकर रखने का दुस्साहस कर रहे हैं। देश के कुछ अतिमहत्वाकांक्षी लोगों ने राजनीति को समाजसेवा की जगह स्वयंसेवा की सेवा का जरिया बनाकर राज का आनंद लेने का माध्यम बना लिया है, इस लाभ को उठाने के लिए चंद लोग देश व समाज हितों से कदम-कदम पर गड़बड़झाला करके अपना हित साध रहे हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में देश व समाज के समुचित सर्वांगीण विकास के लिए जनता के द्वारा चुने गये प्रत्याशी का अनमोल योगदान होता है इसलिए हमारे देश के नीति निर्माताओं ने चुनावों की प्रथम सीढ़ी ग्राम पंचायत से लेकर के राष्ट्रपति तक के चुनावों के लिए नियम-कायदे-कानूनों को बनाने का कार्य किया था। लेकिन जिस तरह से कुछ राजनीतिक दलों व चंद राजनेताओं ने हर स्तर की सत्ता पाने की हनक में चुनावों में नियम-कायदों-कानून को ठेंगा दिखाकर अपना हद से ज्यादा हस्तक्षेप करना शुरू कर रखा है, यह स्थिति देश-समाज और हमारे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए ठीक नहीं है। आज के दौर में कुछ बेहद महत्वाकांक्षी भ्रष्ट लोगों के चुनावों में भाग लेने की वजह चुनाव आयोग की सख्ती के बाद भी चुनावों के हालात आकंठ भ्रष्टाचार में डूबने वाले बन गये हैं लेकिन सबसे बड़ी चिंता की बात तब हो जाती है जब चंद मतदाता भी अपना ईमान बेचकर भ्रष्टाचारियों व अपराधियों के पक्ष में मतदान करके उनका चयन कर लेते हैं, इस हालात को देखकर देश के ईमानदार व देशभक्त व्यक्तियों को बहुत ज्यादा अफसोस होता है। देश में होने वाले हर स्तर के चुनावों में जिस तरह से धनबल-बाहुबल का उपयोग हो रहा है, वह हमारे सभ्य समाज व देश के नियम-कायदे-कानून के अनुसार बिल्कुल भी उचित नहीं है, देश में किसी भी स्तर की राजनीति के लिए यह माहौल बिल्कुल भी ठीक नहीं है लेकिन देश के अधिकांश राज्यों में धीरे-धीरे हालात यह होते जा रहे हैं कि राज्य का सिस्टम केवल सत्ता पक्ष के हाथों की कठपुतली मात्र बनकर उनकी सुविधानुसार चुनावों में आंखों को मूंद कर कार्य करता रहता है या सभी चुपचाप हालात से अंजान बनकर तमाशबीन बनकर खड़े होकर आराम से तमाशा देखते रहते हैं, जो निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था के लिए खतरनाक संदेश है। समय आ गया है कि जब देश व समाज के हित में और हर स्तर की चुनावी व्यवस्था को सुधारने के लिए सभी राजनीतिक दलों व देश के कर्ताधर्ताओं को चुनावों में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए धरातल पर वास्तविक पहल करनी होगी, चुनावों में नियम-कायदे-कानून का दिल से सम्मान करते हुए हर हाल में पालन करना होगा, चुनावों में फ्री का माल उड़ाने के लिए हर वक्त तत्पर रहने वाले मतदाताओं के एक बड़े वर्ग को भी हर हाल में सुधरना होगा और भविष्य में होने वाले हर स्तर के चुनावों में धनबल व बाहुबल से प्रभावित हुए बगैर अच्छे ईमानदार लोगों का चुनावों में साथ देकर उन्हें विजयी बनाने का संकल्प लेना होगा, तब ही वास्तव में देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा होगी और अपराध व भ्रष्टाचार में कमी होगी, साथ ही भविष्य में देश में टैक्स देने वाली जनता के धन का पूर्ण ईमानदारी से उपयोग होगा और देश का समुचित सर्वांगीण विकास होगा इसलिए यह प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह देश व समाज हित में प्रलोभन में आये बिना अच्छे ईमानदार लोगों के पक्ष में मतदान करके उनका चयन करके देश को विकास के पथ पर निरंतर आग्रसित रखें।

स्ट्रेस दूर करने को करें माइंड एक्सरसाइज

आज की लाइफ स्टाइल में तनाव जीवन का हिस्सा बन गया है। लाखों की संख्या में लोग क्रोनिक स्ट्रेस से परेशान होकर या तो डॉक्टर से कंसल्ट करते हैं या उधेड़बुन में जीवन बिता देते हैं। आमतौर पर स्ट्रेस की वजह फैमिली इश्यू, फाइनेंशियल समस्या, सोसायटी, हेल्थ या करियर हो सकता है। कई बार ये समस्या जेनेटिक वजहों से भी ट्रिगर करती है और मदद के अभाव में यह शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से लोगों को इफेक्ट कर सकती है। हेल्थलाइन के मुताबिक, आपको ये जानना बहुत जरूरी है कि आप स्ट्रेस से पीड़ित हैं या डिप्रेशन या एंजायटी से। ऐसे में अगर आप स्ट्रेस की समस्या से जूझ रहे हैं तो कुछ खास और आसान मेंटल एक्सरसाइज की मदद से आप अपने स्ट्रेस को दूर कर सकते हैं और इन्हें अपनी दिनचर्या में शामिल कर स्ट्रेस से मिनटों में रिलीफ पा सकते हैं।

अंग्रेजी या हिंदी वर्णमाला को मन ही मन सोचें

यह सुनने में थोड़ा विचित्र लग सकता है लेकिन आपको बता दें कि तनावपूर्ण स्थिति में खुद को शांत करने का ये एक आसान तरीका है। हेल्थ शॉट के मुताबिक, अपने मस्तिष्क के रैशनल यानी तर्कसंगत हिस्से का इस्तेमाल कर आप स्ट्रेस रिलीज कर सकते हैं।

वॉक पर जाएं

अगर आप दिन या रात कभी भी वॉक पर जाएं और पेड़ पौधों या नेचर के बीच में कुछ समय गुजारे तो यह आपके स्ट्रेस को आउट ऑफ कंट्रोल नहीं होने देता। ऐसे में रोज वॉक करें।

उल्टी गिनती

अगर आप कहीं बाहर हैं या मीटिंग में हैं लेकिन दिमाग स्ट्रेस से भरा हुआ है तो खुद को रिलैक्स करने के लिए आप 100 से 1 तक काउंट डाउन करें। ऐसा करने से आपका दिमाग स्ट्रेस की फीलिंग को कम महसूस कर पाएगा और आप शांत महसूस करेंगे।

फोन और स्क्रीन की बजाय म्यूजिक

अगर आप फोन और स्क्रीन टाइम को कम कर दें तो आपका स्ट्रेस लेवल कम हो सकता है। इन दिनों लोग काम करने के बाद भी इंटरटेनमेंट के लिए मोबाइल से चिपके होते हैं। जिस वजह से नींद में दखल होता है और बेहतर नींद के अभाव में तनाव अधिक घातक हो जाता है। ऐसे में आप संगीत से नाता जोड़ें और गुनगुनाएं।

ध्यान करें

ध्यान तनाव को कम करने और पॉजिटिव एनर्जी भरने में काफी सहायक होता है। इसके लिए जरूरी नहीं कि आप योगी की तरह ध्यान करें। आप गहरी सांस लें और अपनी सांस पर मन केंद्रित करें। गहरी सांस लें और थोड़ा रुक कर सांस को पूरी तरह बाहर निकालें। इसे आप खाने, पीने, काम करने, पैदल चलने, संगीत सुनने यहां तक की मीटिंग या सोते समय बेड पर भी कर सकते हैं।

कहानी — एहसान

एक बहेलिया था। एक बार जंगल में उसने चिड़िया फंसाने के लिए अपना जाल फैलाया। थोड़ी देर बाद ही एक बाज उसके जाल में फंस गया। वह उसे घर लाया और उसके पंख काट दिए। अब बाज उड़ नहीं सकता था, बस उछल उछलकर घर के आस-पास ही घूमता रहता। उस बहेलिए के घर के पास ही एक शिकारी रहता था। बाज की यह हालत देखकर उससे सहन नहीं हुआ। वह बहेलिए के पास गया और कहा- मित्र, जहां तक मुझे मालूम है, तुम्हारे पास एक बाज है, जिसके तुमने पंख काट दिए हैं। बाज तो शिकारी पक्षी है। छोटे-छोटे जानवर खा कर अपना भरण-पोषण करता है। इसके लिए उसका उड़ना जरूरी है। मगर उसके पंख काटकर तुमने उसे अपंग बना दिया है। फिर भी क्या तुम उसे मुझे बेच दोगे? बहेलिए के लिए बात कोई काम का पक्षी तो था नहीं, अत: उसने उस शिकारी की बात मान ली और कुछ पैसों के बदले बाज उसे दे दिया। शिकारी बाज को अपने घर ले आया और उसकी दवा-दारू करने लगा। दो माह में बाज के नए पंख निकल आए। वे पहले जैसे ही बड़े थे। अब वह उड़ सकता था। जब शिकारी को यह बात समझ में आ गई तो उसने बाज को खुले आकाश में छोड़ दिया। बाज ऊंचे आकाश में उड़ गया। शिकारी यह सब देखकर बहुत प्रसन्न हुआ। बाज भी बहुत प्रसन्न था और शिकारी बहुत कृतज्ञ था। अपनी कृतज्ञता प्रकट करने के लिए बाज एक खरगोश मारकर शिकारी के पास लाया। एक लोमड़ी, जो यह सब देख रही थी, बाज से बोली-मित्र! जो तुम्हें हानि नहीं पहुंचा सकता उसे प्रसन्न करने से क्या लाभ? इसके उत्तर में बाज ने कहा-व्यक्ति को हर उस व्यक्ति का एहसान मानना चाहिए, जिसने उसकी सहायता की हो और ऐसे व्यक्तियों से सावधान रहना चाहिए जो हानि पहुंचा सकते हों।

सीख :- व्यक्ति को सदा सहायता करने वाले का कृतज्ञ रहना चाहिए।

हंसना मना है

मास्टरजी: पढ़ाई शुरू कर दो, पेपर आने वाले हैं मोनू : मैं तो खूब पढ़ाई करता हूं, कुछ भी पूछ लो मास्टरजी: बता ताजमहल किसने बनाया मोनू: मिस्त्री ने मास्टरजी - अबे गधे मतलब किसने बनवाया मोनू: ठेकेदार ने बनवाया होगा...

अभी हम घर भी कहां पहुंचे हैं?

सेल्समेन: सर कॉकरोच के लिए पाउडर लेंगे क्या? पप्पू: नहीं हम कॉकरोच को इतना लाड प्यार नहीं करते। आज पाउडर लगा देंगे, तो कल परफ्यूम मांगेगा। सेल्समेन बेहोश।

पार्टी में मॉर्डन लड़की से हंस-हंस कर बातें कर रहे पति के पास पत्नी आई और बोली....चलिए, घर चल कर मैं आपकी चोट पर मरहम लगा दूंगी। पति: पर मुझे चोट कहां लगी है? पत्नी:

ताऊ अस्पताल गए इलाज कराने। नर्स: लंबी सांस लो। ताऊ ने लंबी सांस ली। नर्स: कैसा महसूस हो रहा है? ताऊ : कौण सा परफ्यूम लगा कर आई है मजा आ गया...

10 अंतर खोजें

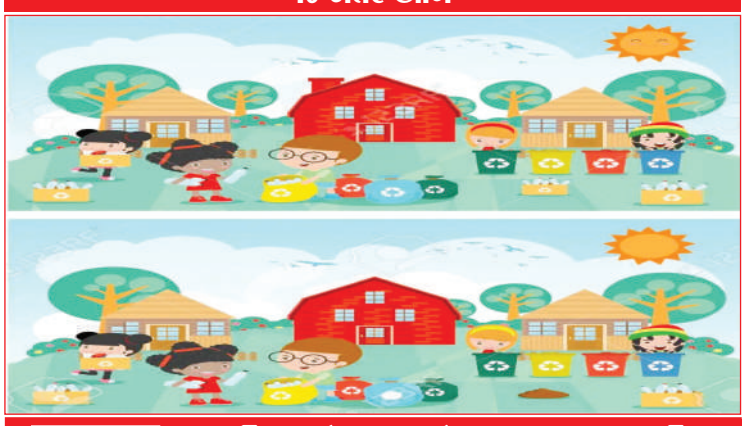

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज आप प्रेम संबंधी महत्वपूर्ण फैसले ले सकते है। वेलेंटाइन डे में आप अपने लव पार्टनर के साथ खूबसूरत शाम गुजारेंगे। आपका कार्यक्रम दिन में ही बन जाएगा।

वृषभ — आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा है लेकिन आप मूडी हो रहे हैं, जिस कारण आप पार्टनर से किसी बात से नाराज हो सकते हैं।

मिथुन — प्रेम की भावना अपनी चरम सीमा पर है। आप रोमान्टिक मूड में हैं। तेज आवाज में मधुर संगीत और गिफ्ट आपकी शाम को रंगीन बना देगी।

कर्क — सुबह से ही आप एक्साइटेड हैं लेकिन हो सकता है कि आज आपके लव पार्टनर से आपकी बात न हो पाए। इसी पशोपेश में दिन गुजरेगा।

सिंह — आज के दिन आपका मन रोमांस से भरा है। आपके प्रेमी को घर वाले स्वीकार कर सकते हैं। आज वेलेंटाइन डे पर अपने माता-पिता से अपने लवर को मिलवा सकते हैं।

कन्या — आज दिन संभल कर चलने का है। आपके वेलेंटाइन को आपके किसी अन्य प्रेम संबंध के बारे में पता चल सकता है, जिसके कारण वह आपसे रूठ सकती है।

तुला — आज आप सभी को आकर्षित करेंगे। आपकी ड्रेस आपकी खूबसूरती पर चार चाँद लगा रहे हैं। पुराने मित्रों के अलावा नए मित्र भी आज आपके साथ समय बिताना चाहेंगे।

वृश्चिक — अपनी सूझबूझ और स्मार्टनेस से आप अपने लवर को इंप्रेस कर सकते हैं. सोशल मीडिया पर आपका अपडेट सभी को काफी प्रभावित करेगा।

धनु — आपका प्यार अपनी चरम सीमा पर है। आज के दिन आप पूरा आनंद उठाएं। अपने पार्टनर को खुश करने के लिए आप मंहगा गिफ्ट खरीद सकते हैं। खर्चा अधिक होगा।

मकर — आज मूड रोमांटिक है। अपने वेलेंटाइन के साथ आप प्यार के बेहतरीन क्षण बिताएंगे। आकर्षण गिफ्ट के साथ और भी बहुत सारे सरप्राइज आपको मिलेंगे।

कुम्भ — लव लाइफ में आनंद ही आनंद है। नए मित्र बन सकते हैं। मनमोहनी बातें और विश्वास आपके रिश्ते को मजबूत करेगा। अकेले हैं तो आपको अपना लवर मिल सकता है।

मीन — आज अपने प्यार में कमी न आने दें। लव रिलेशन में विश्वास की कमी हो सकती है। दिन को ज्यादा एंजॉय करने के चक्कर में आप गलत कदम उठा सकते हैं।

रिलीज हुआ रणबीर कपूर की शमशेरा का टीजर

फिल्म शमशेरा का फैंस को लंबे वक्त से इंतजार है। अब आखिरकार मेकर्स ने फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया है। इसी के साथ फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया गया है। इसी के साथ अब फिल्म के लिए दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई है। इसमें रणबीर कपूर, संजय दत्त और वाणी कपूर लीड रोल में दिखेंगे। 1 मिनट 10 सेकंड के इस टीजर में रणबीर, संजय और वाणी हथियारों से भरे एक कमरे में बैठे दिख रहे हैं। इसमें सबसे पहले संजय दत्त दिखते हैं और कह रहे हैं, ये कहानी उसी की है, जिसने कहा कि किसी की गुलामी अच्छी नहीं, न दूसरों की, न हमारे करीबी लोगों की। वहीं, वाणी कहती हैं, यह कहानी उसी की है जिसने अपने पिता की विरासत में आजादी

बॉलीवुड | **मसाला**

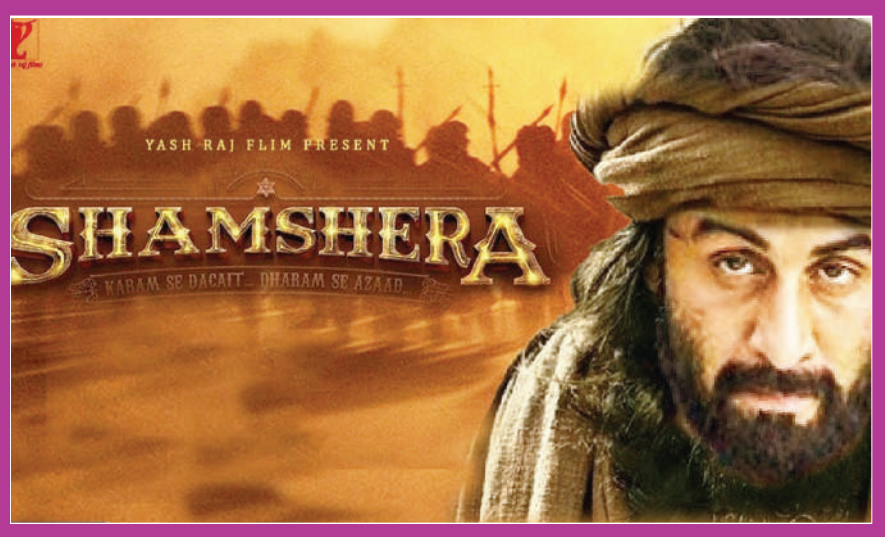

का सपना देखा। टीजर में रणबीर की झलक भी दिख रही है। वह कहते हैं, कोई भी आपको स्वतंत्रता नहीं देता है। आपको इसे जीतना होगा। तीनों ही कलाकार इंटेस लुक में दिख रहे हैं। हालांकि, फिल्म में इन तीनों का लुक कैसा होगा और कहानी कैसे पेश की जाएगी, इसकी कोई झलक नहीं दिखी है। यशराज ने फिल्म का टीजर ट्विटर पर रिलीज करते हुए इसके साथ कैप्शन में लिखा, यशराज के 50 साल पूरे होने का जश्न शमशेरा के साथ अपने नजदीकी सिनेमाघरों में मनाएं। यह फिल्म हिन्दी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज होगी बता दें कि इस फिल्म को 22 जुलाई को बड़े पर्दे पर रिलीज किया जाने वाला है। फैंस अभी से फिल्म के लिए उत्साहित हो गए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में स्वतंत्रता से पहले, भारत के डकैतों की कहानी को पर्दे पर उतारा जा रहा है। करण मल्होत्रा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रणबीर को पिता और बेटे के डबल रोल में देखा जाएगा।

कंगना रनौत के लॉक अप से नहीं मिलेगी बेल

कंगना रनौत इस बार दर्शकों को अपना एक अलग अवतार दिखाने जा रही है। दरअसल, एक्ट्रेस को जल्द ही रियलिटी शो लॉक अप में देखा जाने वाला है। वह इस शो को होस्ट करती दिखेंगी। टीजर में कंगना धाकड़ अंदाज में एंट्री कर रही हैं। यहां वह ब्लैक कलर की ड्रेस में काफी हॉट दिख रही हैं।

कंगना ने इस टीजर को खुद सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर किया है। इसमें वह कहती दिख रही हैं, इस दुनिया में दो तरह के लोग हैं एक जो मुझे पसंद करते हैं और दूसरे वो बी ग्रेड स्ट्रग्लर्स जो मेरी बुराई करके न्यूज में रहते हैं। ऐसे हेटर्स जिन्होंने मेरा आवाज को दबाने के लिए एफआईआर किए और नेपोटिज्म का फॉर्मूला लगाया। मेरी लाइफ को 24×7 रिएलिटी शो बना कर रख दिया। कंगना आगे कह रही हैं, लेकिन अब मेरी बारी है। मैं ला रही हूं 'द बाप ऑफ बिगेस्ट रिएलिटी शो' माय जेल माय रूल्स। 'मेरी कैद में होंगे 16 कॉन्ट्रोवर्शियल सेलेब्रिटीज। जिनके साथ वही होगा जो मैं चाहती हूं। यहां पापा के पैसों से भी बेल नहीं मिलेगी। अब इस टीजर की रिलीज के बाद से ही शो के लिए दर्शकों में काफी उत्सुकता बढ़ गई है। कंगना ने यह टीजर सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, मेरा जेल है ऐसा, ना चलेगी भाईगिरी ना पापा का पैसा! लॉक अप के लिए तैयार हो जाइए। 27 फरवरी से एमएक्स प्लेयर और ऑल्ट बालाजी पर मुफ्त में देखिए। 16 फरवरी को आ रहा है ट्रेलर। बता दें कि एकता कपूर के प्रोडक्शन में बने इस शो कंगना का स्वैग दिखाई देगा। शो के लॉन्च इवेंट के दौरान एकता और कंगना एक ही मंच पर साथ नजर आई थीं। दोनों ने साथ में कई फोटोज भी क्लिक करवाई थी।

बॉलीवुड | **मन की बात**

कोरोना के दौरान ओटीटी प्लेटफॉर्म का काफी ट्रेंड बढ़ा : संजय दत्त

संजय दत्त फिल्म इंडस्ट्री में लंबे समय से काम कर रहे हैं। उन्होंने हिंदी सिनेमा को एक से बढ़कर एक फिल्में दी हैं। उनकी कई फिल्में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी रिलीज हुई हैं। कोरोना वायरस महामारी के दौरान पूरी दुनिया में एक बदलाव देखने को मिला। बॉलिवुड भी इससे अछूता नहीं है। इस दौरान ओटीटी प्लेटफॉर्म का ट्रेंड भी बढ़ा। हालांकि 2 साल तक फिल्मों की रिलीज अटकने के कारण नुकसान भी काफी हुआ। फिर भी इस इंडस्ट्री ने हार नहीं मानी और फिर से अपने पैरों पर खड़ा है। अब ऐक्टर ने इन सब पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने बताया कि कैसे फिल्म इंडस्ट्री ने चुनौतियों का सामना किया और आगे बढ़ी। उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म को लेकर भी अपनी राय दी। कोरोना महामारी के कारण फिल्म इंडस्ट्री में हुए बदलाव पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए संजय दत्त ने कहा, इस चुनौतीपूर्ण समय के दौरान फिल्म की शूटिंग पहले की तुलना में बहुत बदल गई है। सैकड़ों लोगों के साथ एक गुलजार सेट अब कोरोना के कारण सावधानियों के प्रति अनुशासित और सावधान हो गया है। हालांकि, ऐक्टर ने आगे कहा, ये वास्तव में बहुत सराहनीय है कि कैसे इंडस्ट्री ने वापसी की है और कई चुनौतियों के बावजूद अपने पैरों पर वापस आने का रास्ता ढूंढ लिया है। कोरोना महामारी के दौरान ओटीटी प्लेटफॉर्म का काफी ट्रेंड बढ़ा। संजय दत्त की भी कई फिल्में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई। इनमें सड़क 2, तोरबाज और भुज जैसी फिल्में शामिल हैं। ऐक्टर को लगता है कि ये समय के साथ विकसित होने, नए सिरे से पेश करने और आगे बढ़ने का समय है। पश्चिम ने इसे बहुत पहले ही स्वीकार कर लिया था।

इस महिला को हो गया भूत से प्यार, जल्द करने वाले हैं शादी!

शादी को लेकर लड़का और लड़की दोनों ही बहुत उत्साहित रहते हैं। अपनी शादी को लेकर दोनों के बहुत से अरमान रहते हैं। लेकिन शादी का एक ऐसा वाक्या सामने आया है, जिससे सुनकर हरकोई हैरान है। एक लड़की किसी जीवत इंसान से नहीं बल्कि एक भूत से शादी करना चाहती है। इस महिला का दावा है कि वह एक भूत से प्यार करती है और दोनों जल्द ही शादी करने वाले हैं। कई लोगों को महिला की यह बात बकवास लगी लेकिन महिला ने भूत के बारे में चौंकाने वाले दावे किए हैं। ऑक्सफोर्डशायर की रहने वाली 38 साल की ब्रोकार्डे का अजीबोगरीब दावा सभी को हैरान कर रहा है। दरअसल, ब्रोकार्डे का कहना है कि वह एडवर्डो नाम के एक भूत से शादी करना चाहती है जो विक्टोरियन काल का सैनिक था। महिला का दावा है कि दोनों एक दूसरे से बहुत प्यार करते हैं। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार ब्रोकार्डे एक सिंगर और सॉन्गराइटर हैं।महिला का दावा है कि वह एडवर्डो से बेहद प्यार करती हैं और वो भी उनसे बहुत प्यार करता है। हालांकि महिला का कहना है कि एडवर्डो का भूत चिड़चिड़े प्रवृत्ति का है। ब्रोकार्डे का कहना है कि दोनों शादी की तारीख तय करने में लगे हैं लेकिन एक डेट फिक्स नहीं कर पा रहे। जहां ब्रोकार्डे का कहना है कि वह गर्मी में शादी करना चाहती हैं। वहीं एडवर्डो का भूत सर्दियों में शादी करना चाहता है क्योंकि उसे गर्मियां उन्हें पसंद नहीं हैं। ब्रोकार्डे ने बताया कि वह और एडवर्डो अजीबोगरीब तरीकों से बातचीत करते हैं। एडवर्डो का भूत उनसे संपर्क करने के लिए चीजों का इस्तेमाल कर के संदेश देता है। जैसे नहाते वक्त गर्म पानी की भाप में वो कुछ लिखता है या किसी सामान के जरिए बात करता है। महिला का दावा है कि उसने पिछले साल एक अंगूठी उसकी तकिया के पास रखकर उसे प्रपोज किया था और फिर शावर में भाप से प्रश्न चिन्ह बना दिया जिससे ब्रोकार्डे समझ गई कि वो उन्हें प्रपोज कर रहा है। महिला अपनी शादी की तैयारियों में जुटी है। महिला का कहना है कि वह अपनी शादी में गुजरे जमाने की दिवंगत एक्ट्रेस मर्लिन मुनरो के भूत को बुलाना चाहती हैं। इसके साथ ही वह दुनिया के मशहूर दिवंगत नाटककार विलियम शेक्सपियर को भी इनवाइट करना चाहती हैं। महिला काप दावा है कि एडवर्डो के भूत ने उन्हें संदेश दिया है कि वो अपनी शादी में बेस्ट मैन के तौर पर अपने एक पुराने दोस्त को बुलाना चाहते हैं। ब्रोकार्डे ने बताया कि वह अपनी शादी के लिए नया गाना

अजब-गजब | **राजस्थान के जैसलमेर के हाबूर गांव के बारे में जानकर रह जाएंगे दंग**

यहां मिलता है ऐसा अद्भुत पत्थर जो दूध को बना देता है दही, जानकर रह जाएंगे दंग

राजस्थान दुनियाभर में अपने पर्यटन के लिए जाना जाता है, यही वजह है कि भारत में आने वाले हर तीन में से दो पर्यटक राजस्थान घूमने जरूर जाते हैं। जैसलमेर भी राजस्थान का एक ऐसा पर्यटन स्थल है जिसे स्वर्णनगरी के नाम से भी जाना जाता है। यहां का पीला पत्थर अपनी पहचान देश-विदेश में बना चुका है।

जैसलमेर से करीब 50 किलोमीटर दूर स्थित हाबूरगांव में ऐसा पत्थर पाया जाता है। जो बहुत अद्भुत है। इस पत्थर के बारे में जान कर आप हैरान हो जाएंगे। ये पत्थर दूध को जमाकर दही में बदल देता है। आमतौर पर हम लोग दूध से दही जमाने के लिए छाछ का प्रयोग करते हैं। लेकिन राजस्थान के इस गांव की कहानी थोड़ी अलग है। यहां पर लोग दूध से दही जमाने के लिए सैकड़ों सालों से इस चमत्कारी पत्थर का प्रयोग करते आ रहे हैं। वैसे इस गांव का नाम हाबूर लेकिन वर्तमान में इसे पूनमनगर के नाम से जाना जाता है। इस गांव का पत्थर अपने अंदर कई खूबियां समेटे हुए है। इस पत्थर को स्थानीय भाषा में हाबूरिया भाटा भी कहा जाता है। यही वह चमत्कारी पत्थर है, जिससे इस गांव के लोग दही जमाते हैं। इस पत्थर के संपर्क में आते ही दूध जम जाता है। यह पत्थर अपनी इस विशेष खूबी की वजह से देश-विदेश में काफी लोकप्रिय है। यहां आने वाले सैलानी हाबूर पत्थर के बने बर्तन भी अपने साथ ले जाते हैं। इस पत्थर से बने बर्तनों की मांग यहां हमेशा बनी रहती है। कुछ रिसर्च में पता चला कि इस पत्थर में दही जमाने के वो सभी कैमिकल मौजूद हैं। जो दूध को दही में बदल देते हैं। इस पत्थर में एमिनो एसिड, फिनायल एलिनिया, रिफ्टाफेन टायरोसिन हैं। बता दें कि यही कैमिकल दूध से दही जमाने में सहायक होते हैं। यही नहीं इस पत्थर से जमने वाला दही मीठा और सौंधी खुशबू वाला होता है। इस पत्थर से बने बर्तनों में जमा दही और उससे बनने वाली लस्सी के देश-विदेश के पर्यटक दीवाने हैं। हाबूर गांव के भूगर्भ से निकलने वाले इस पत्थर में कई खनिज व अन्य जीवाश्मों की भरमार है जो इसे चमत्कारी बनाते हैं। कहा जाता है कि राजस्थान के यह रेगिस्तानी जिला जैसलमेर पहले अथाह समुद्र हुआ करता था और इसके सूखने के बाद कई समुद्री जीव यहां जीवाश्म बन गए। उसके बाद वो पहाड़ों मे तब्दील हो गए। इस गांव में मिलने वाले इस पत्थर से बर्तन, मूर्ति और खिलौने बनाए जाते हैं। ये हल्का सुनहरा और चमकीला होता है। इससे बनी मूर्तियां लोगों को खूब आकर्षित करती हैं। ग्रामीणों के मुताबिक यह पत्थर ताजमहल सहित कई जगहों पर लगा हुआ है।

भाजपा ने यूपी को दिया भय और भूख का समाधान : राजनाथ

» सबका साथ, सबका विकास कर रही भाजपा

» समाजवाद की परिभाषा में खरी नहीं उतरी सपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। भाजपा के वरिष्ठ नेता और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को अवध क्षेत्र में रामनगर व हैदरगढ़ में आयोजित जनसभा में कहा कि देश के दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देने के साथ ही भाजपा ने उत्तर प्रदेश को भय व भूख का समाधान दिया है। हम समाजवादी भी हैं और मुंहतोड़ जवाब देने वाले राष्ट्रवादी भी। दुनिया में भारत की साख बनी है। अब यूपी में गोली नहीं गोला व मिसाइल भी बनेंगी।

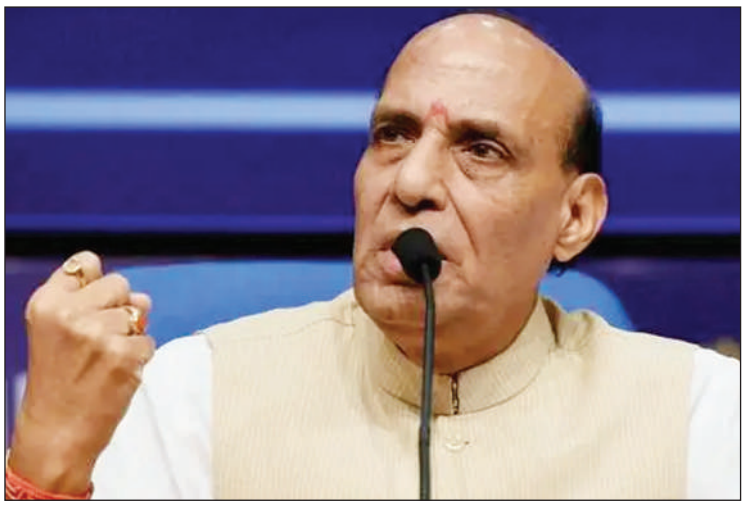

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को प्राचीन नहीं तो आजादी के बाद के भारत का इतिहास जरूर जान लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिना भेदभाव के सभी वर्ग के लोगों को 24 घंटे बिजली, राशन, पीएम आवास, किसान सम्मान निधि, कोविड-19 टीका सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। भाजपा आंख चुराकर नहीं आंख में आंख डालकर बात करती है। उन्होंने कश्मीर में अनुच्छेद 370 व राम मंदिर निर्माण जैसे वादों को पूरा करने की भी बात कही। नकली और असली समाजवाद को परिभाषित करते हुए उन्होंने कहा कि सच्चा समाजवादी वह होता है जो भूख और भय का समाधान करे और सबको साथ लेकर चले। तुष्टिकरण और समाज को टुकड़ों में बांटकर सरकार बनाने का काम करने वाले सच्चे समाजवादी कभी नहीं हो सकते इसलिए ऐसे लोगों से सावधान रहने को कहा। आज की समाजवादी पार्टी समाजवाद की इस परिभाषा पर कहीं भी खरी नहीं उतरती। उन्होंने जिले की समाजवादी विचारधारा के नेताओं से नजदीकी बढ़ा राजनीतिक समीकरण साधा। गौरतलब है कि यहां के सभी विधान सभा क्षेत्रों में कुर्मी और यादव बिरादरी की बड़ी तादाद है।

फैक्ट्री कर्मियों से भरी बस पलटी, कई घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। हाईवे पर आज सुबह किसान नगर नहर पुल पर कर्मचारियों से भरी निजी कंपनी की बस डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। बस में सवार सभी कर्मियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया, मामूली घायलों का प्राथमिक उपचार कराया गया है। बस में सवार कर्मचारी सुबह की शिफ्ट में रनियां स्थित फैक्ट्री में काम पर जा रहे थे। हादसे के बाद हाईवे पर जाम की स्थिति बन गई, जिसके बाद पुलिस ने यातायात सामान्य कराया।

कानपुर देहात के रनियां स्थित फ्रंटियर स्प्रिंग कंपनी की बस सुबह जनरल शिफ्ट के करीब 20 कर्मचारियों को लेकर जा रही थी। किसान नगर के पास हाईवे पर नहर पुल पर चालक ने बस से संतुलन खो दिया। इससे अनियंत्रित हुई बस डिवाइडर से टकराने के बाद हाईवे पर पलट गई। हादसे के बाद बस में दबे कर्मियों में चीख पुकार मच गई। हादसा देखकर आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़े और सभी कर्मचारियों को बस से सुरक्षित बाहर निकाला। इस बीच सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई और मामूली घायलों का प्राथमिक उपचार कराया। घटना में किसी भी कर्मचारी को ज्यादा चोट नहीं आई।

मंदिर-मस्जिद में उलझाकर भाजपा ने ठगा : नसीमुद्दीन

» कांग्रेस ही कर सकती है देश का विकास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

महोबा। पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने रविवार को महोबा के काजीपुरा मैदान में कांग्रेस प्रत्याशी चौधरी सागर सिंह के समर्थन में सभा की। उन्होंने कहा कि भाजपा ने केवल आम जनमानस में हिन्दू-मुस्लिम के बीच खाई बनाने का काम किया। हिन्दू-मुस्लिम की राजनीति कर वोट बटोरे। नफरत की राजनीति कर लोगों को ठग लिया, अब ऐसा नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि देश के विकास में कांग्रेस का कोई मुकाबला नहीं कर सकता जो भाजपा डिजिटल इंडिया, कम्प्यूटर तकनीक का ढिंढोरा पीट रही है, वो भी पीएम राजीव गांधी की ही देन हैं। विश्व की एक मात्र कांग्रेस ही ऐसी पार्टी है जिसने एक ही परिवार से तीन-तीन पीएम दिए हैं। 1989 तक इसी भाजपा के पास दो सीटें लोक सभा की थी। इस सरकार ने लोगों को विकास के सब्जबाग दिखा कर मंदिर मस्जिद में उलझा कर ठग लिया। अब ठगों की ठगी नहीं चलेगी। कांग्रेस ही एक मात्र ऐसी पार्टी है जो भाजपा सपा की भ्रष्ट सरकार को आने से रोक सकती है। इतिहास गवाह है कि भाजपा के एक भी व्यक्ति ने स्वतंत्रता संग्राम में भाग नहीं लिया है और वे आज देशभक्ति की बातें करते हैं। कोरोना काल की समस्या को याद दिलाते हुए कहा कि मोदी जी ने नमस्ते करके कोरोना को बुलाया। कोविड काल में गंगा में शव उतराते रहे, श्मशान में लोग लाइन लगाए खड़े रहे लेकिन उन्हें दफनाने के लिए जगह नहीं मिली। उन्होंने कहा कि 1989 के बाद आपने कांग्रेस को हमेशा सजा दी, इस बार मौका दीजिए तस्वीर बदल देंगे। इसके बाद उन्होंने पनवाड़ी में चरखारी विधान सभा से कांग्रेस प्रत्याशी निर्दोष दीक्षित को जिताने के लिए बैठक की।

सीतापुर में हादसा, मां बेटी सहित चार की मौत

» बोलेरो के उड़े परखच्चे, परिवार के साथ आ रहे थे गोंडा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीतापुर। महमूदाबाद-सिधौली मार्ग पर बोलेरो व कार की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में कार सवार मां-बेटी व भतीजे सहित चार की मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि बोलेरो व कार के परखच्चे उड़ गए। मृतकों के शवों को वाहनों को काटकर निकाला गया। महमूदाबाद पुलिस के अलावा आसपास गांवों के ग्रामीण बचाव कार्य में जुटे रहे।

कमलापुर के हमीरपुर में रहने वाले अजीत सिंह पुत्र रमेशचंद्र अपनी चाची सीमा सिंह पत्नी देशराज सिंह व चचेरी बहन रागिनी के साथ गोंडा से कार से घर वापस आ रहे थे। महमूदाबाद-सिधौली रोड पर वन विभाग कार्यालय के समीप अजीत की कार और सामने से आ रही बोलेरो में भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे की जानकारी मिली तो आसपास गांवों के ग्रामीण जमा हो गए। राहगीर भी बचाव कार्य में जुट गए। सूचना पर पहुंची महमूदाबाद पुलिस ने बोलेरो व कार में फंसे लोगों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकलवाया। हादसे में कार सवार अजीत, उसकी चाची व चचेरी बहन की मौत हो गई। वहीं बोलेरो चालक सुरजीत पुत्र बाबूराम निवासी भेथरा, महमूदाबाद की मौत भी हो गई। प्रभारी निरीक्षक महमूदाबाद अनिल कुमार सिंह ने बताया कि भीषण एक्सीडेंट में चार लोगों की मौत हुई है। वाहनों में फंसे शव निकाले गए। मृतकों की पहचान हो गई है। सूचना परिवारजन को दी गई है।

कोतवाल ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले अजीत सिंह विकास भवन में बाबू थे। परिवारजन के साथ गोंडा से वापस आ रहे थे। जानकारी पर पहुंचे परिवारजन ने बताया अजीत को चुनाव संबंधी प्रशिक्षण में जाना था। वहीं बोलेरो लेकर निकला सुरजीत किसी काम से लखनऊ एयरपोर्ट जा रहा था।

मुख्तार अंसारी को चुनौती देंगे बसपा के भीम राजभर

» भाजपा ने अशोक सिंह को उतारा है मैदान में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मऊ। मऊ सदर से मुख्तार अंसारी के खिलाफ बसपा ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भीम राजभर को मैदान में उतारा है। भारतीय जनता पार्टी ने यहां से अशोक सिंह को टिकट दिया है। कांग्रेस ने माधवेंद्र सिंह को उम्मीदवार बनाया है। सभी प्रमुख दलों के उम्मीदवारों की घोषणा से मुकाबला दिलचस्प हो गया है।

लोग अपने-अपने हिसाब से समीकरण बना रहे हैं। जिले की चार सीटों में सबसे ज्यादा चर्चा सदर सीट की है। यहां से मुख्तार अंसारी विधायक हैं। रविवार को बहुजन समाज पार्टी ने मऊ की चारों विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशियों की लिस्ट जारी की। जिसमें मुहम्मदाबाद गोहना सुरक्षित सीट से धर्म सिंह गौतम, मधुबन से नीलम सिंह कुशवाहा को मैदान में उतारा है।

वहीं घोसी से पूर्व में प्रभारी घोषित विक्रम चौहान के स्थान पर वसीम एकबाल को प्रत्याशी घोषित किया है। सभी प्रत्याशी अपने-अपने क्षेत्र में जीत तय करने के लिए जुट गए हैं।

ओछी राजनीति पर उतरी कांग्रेस अब हो रही है खत्म : अदिति सिंह

» पोस्टर को लेकर चुनाव आयोग से करेंगी शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायबरेली। यूपी के रायबरेली सदर की विधायक और भाजपा प्रत्याशी अदिति सिंह ने एक आपत्तिजनक विज्ञापन पर पलटवार करते हुए कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब ओछी राजनीति पर उतर आई है और इसका परिणाम कांग्रेस को भुगतना पड़ेगा। अदिति सिंह ने कहा, 'कांग्रेस की बौखलाहट है कि उसने मेरा अश्लील फोटो बनवाकर मीडिया हाउस के जरिये वायरल करवाया है।

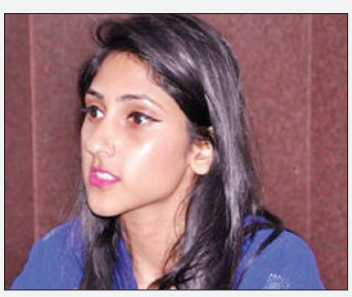

अदिति सिंह कहा कि कांग्रेस रायबरेली की बेटी को बदनाम करने की साजिश कर रही है और इसका जवाब जनता इस चुनाव में देगी। उन्होंने कहा कि 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' के नारे का कांग्रेस में ही पालन नहीं हो रहा है। साथ ही अपने पोस्टर को लेकर कहा कि वो अब इसके खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ेंगी। इतना ही नहीं, अदिति सिंह ने कहा की कांग्रेस पार्टी ने उनके पति पंजाब के नवा शहर विधायक अंगद सैनी पर दबाव बनाया की वह अपनी पत्नी के बारे में बयानबाजी करें और ऐसा न करने पर पार्टी ने उनका टिकट काट दिया। अदिति सिंह कहना है कि इस तरह के फोटो की शिकायत वह चुनाव आयोग से करेंगी। इसके साथ ही कानूनी कार्यवाही भी करेंगे। इस पोस्टर की टैग लाइन है 'कांग्रेस पेश करती है वसूली बाई रायबरेली वाड़ी'। वहीं कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष पंकज तिवारी ने कहा कि उनकी पार्टी पोस्टर पॉलिटिक्स नहीं करती। कांग्रेस पार्टी विकास की राजनीति करती हैं, वह लोगों का जीवन सुधारने में विश्वास रखती है।

4पीएम में छपी खबर तो एक्शन में आया आयोग
अतीक के शूटरों को मिले गनर मामले की जांच शुरू

» प्रयागराज में पुलिस प्रशासन ने दस लोगों के वापस लिए गनर

» सरकारी गनर लेकर घूम रहे हैं माफिया के शूटर और अन्य लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। जिले में सरकारी गनर का खेल जारी है। 4पीएम ने जैसे ही गुजरात के जेल में बंद माफिया अतीक अहमद के सबसे शार्प शूटर आबिद प्रधान व उसके दामाद मोहम्म जैद खालिद समेत 25 लोगों के सरकारी गनर लेकर खुलेआम घूमने का मामला उठाया तो प्रयागराज से लेकर दिल्ली तक हड़कंप मच गया। निर्वाचन आयोग ने खबर का संज्ञान लिया। इस पर प्रयागराज पुलिस व प्रशासन ने 10 लोगों के सरकारी गनर वापस ले लिए हैं जबकि अतीक अहमद के शार्प शूटरों को सरकारी गनर देने के मामले की जांच शुरू कर दी गई। अतीक अहमद के शार्प शूटर आबिद प्रधान व जैद खालिद को सरकारी गनर शासन के आदेश पर दिया गया है।

अतीक अहमद के शार्प शूटर खुलेआम घूम रहे सरकारी गनर लेकर

» प्रयागराज में चुनाव आचार संहिता का हो रहा उल्लंघन

अमित श्रीवास्तव

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने कार्यकाल में माफियाओं पर कार्यवाही किए जाने को लेकर भाजपा के पक्ष में घूम-घूम कर वोट करने की अपील कर रहे हैं लेकिन यूपी पुलिस व प्रशासन के अधिकारी द्वारा की गई इस कार्यवाही पर सवाल खड़ा कर दिया है। गुजरात जेल में बंद माफिया अतीक अहमद के सबसे शार्प शूटर आबिद प्रधान व उसके दामाद मोहम्मद जैद खालिद समेत 25 लोगों चुनाव किए जाने को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। बता दें कि आबिद प्रधान पर 36 से ज्यादा मुकदमे हैं और वही जैद लेकिन अतीक अहमद के गुर्गे समेत 25 लोगों अभी भी सरकारी गनर लेकर खुलेआम घूम रहे हैं और आशंका है कि प्रयागराज जिले में 27 फरवरी को होने वाली वोटिंग में गड़बड़ी कर सकते हैं। इन सभी पर बड़े अधिकारी व मंत्रियों का हाथ है। जब इस मामले पर जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार खत्री से बात कि गई तो उन्होंने बताया कि जैद को शासन के आदेश पर सुरक्षा दी गई है। गौरतलब है कि अतीक अहमद के सबसे खास शार्प शूटर आबिद प्रधान व उसके दामाद को सरकारी गनर देने के मामले

खबर का असर

माफिया अतीक अहमद का शार्प शूटर आबिद प्रधान व उसका दामाद मो. जैद खालिद (गैंग का फाइनेंसर) है। आबिद प्रधान पर हत्या, अपहरण, लूट, डकैती व गैंगस्टर समेत 36 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। वही जैद खालिद पर 10 से अधिक गंभीर धाराओं में आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

साथ ही गुंडा एक्ट व हाल ही में पुरामुफ्ती थाने की पुलिस ने हिस्ट्रीशीट खोलकर जिला बदर की कार्यवाही करने के लिए जिलाधिकारी प्रयागराज के पास भेजा है जो अभी भी लंबित है। अजय कुमार पांडेय, एसएसपी प्रयागराज ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है कुछ लोगों के गनर वापस लिए गए हैं। जांच की जा रही है कि किसके आदेश पर आबिद प्रधान व जैद खालिद को सरकारी गनर दिया गया है। जांच रिपोर्ट आने पर कार्यवाही की जायेगी।

लखीमपुर हिंसा के मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा की आज रिहाई संभव

» चार किसानों समेत आठ लोगों की हुई थी मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखीमपुर खीरी में तीन अक्टूबर को तिकुनिया में उपद्रव के बाद हिंसा में चार किसान तथा एक पत्रकार सहित आठ लोगों की मौत के मामले में मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा उर्फ मोनू की आज रिहाई हो सकती है। केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा उर्फ टेनी का पुत्र आशीष मिश्रा करीब चार महीने से अपने साथियों के साथ लखीमपुर खीरी की जेल में बंद है।

लखीमपुर से सांसद केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के पुत्र आशीष मिश्रा उर्फ मोनू को लखीमपुर खीरी के तिकुनियां कांड के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने बीती दस फरवरी को जमानत दे दी थी। जमानत आदेश में लिपकीय त्रुटि के

कारण आशीष मिश्रा की रिहाई नहीं हो सकी थी। इसके बाद आशीष मिश्रा के वकीलों ने शुक्रवार को जमानत आदेश में संशोधन की अर्जी दाखिल की थी। आज इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने संशोधित जमानत आदेश जारी किया है। जिसको लेकर आशीष मिश्रा के वकील लखीमपुर खीरी रवाना हो गए हैं। लखीमपुर खीरी जेल प्रशासन को रिहाई आदेश मिलते ही आज ही मोनू की रिहाई हो जाएगी। मोनू के जमानत के आदेश में लिपकीय त्रुटि के कारण दो धाराएं शामिल नहीं हो सकी थीं।

कैबिनेट मंत्री नंदी के भाई समेत कई लोगों पर मुकदमा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी के भाई और अन्य के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट की महिला अधिवक्ता ने धमकाने और परेशान करने का मुकदमा दर्ज कराया है।

सिविल लाइंस थाना इलाके के अग्निपथ कालोनी का है जहां अपार्टमेंट में रहने वाली महिला अधिवक्ता हृदयवती मिश्र का आरोप हैं कि सुरेंद्र सिंह भी उसी अपार्टमेंट में रहता है और उन्हें परेशान करता है। तीन फरवरी की रात डीजे की लाइट से एक लड़की का एक्सीडेंट हो गया तो उसे देखने के लिए बाहर निकलीं तो कुछ लोग उनसे अभद्रता करने लगे। बिना नंबर की कार में सवार मंत्री नंदी के भाई कृष्ण कुमार गुप्ता उफ़्र बच्चा व उसके अन्य साथियों ने धमकाते हुए कहा कि अभी असलहा नहीं लाया हूं। कल सुबह आकर देखूंगा तुझे। महिला अधिवक्ता शिकायत पर मंत्री के भाई समेत अन्य पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

फोटो: 4पीएम

छात्रों को शपथ दिलाई

केजीएमयू और राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की इंडक्शन सेरेमनी किया, जिसमें मेडिकल छात्रों को शपथ दिलाई गयी। संस्थानों के प्रमुखों द्वारा छात्रों को अप्रॉन भेंट किया गया। लगभग 250 एमबीबीएस और 70 बीडीएस छात्र इसमें शामिल हुए।

आज से गुलजार हुए लखनऊ के स्कूल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोरोना की तीसरी लहर के कम होते प्रभाव के बीच आज से स्कूल फिर से गुलजार हो गए। नर्सरी से कक्षा 12 तक की सभी कक्षाएं ऑफलाइन माध्यम से शुरू हुई। इसे लेकर स्कूलों ने भी तैयारी पूरी कर रखी थी और अभिभावक भी बेझिझक बच्चों को स्कूल लेकर पहुंचे।

कोरोना संक्रमण के घटते मामलों को देखते हुए शासन ने इससे पहले शासन द्वारा सात फरवरी से कक्षा नौ से लेकर इंटरमीडिएट तक के सभी माध्यमिक स्कूल, विश्वविद्यालय और डिग्री कालेजों को खोलने का फैसला जारी किया था। अभी तक ऑनलाइन कक्षाएं चल रही थी। बच्चों के बैठने की व्यवस्था भी शारीरिक दूरी के साथ की गई थी। साथ ही गेट पर सैनिटाइजर आदि के इंतजाम भी देखे गए। डीआइओएस अमरकांत सिंह और बीएसए विजय प्रताप सिंह का कहना है कि शासन स्तर पर लिया गए निर्णय का सभी स्कूलों को पालन करना है।

चुनाव की झलकियां

लखनऊ। (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क) उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान आज हो रहा है। नौ जिलों की 55 सीटों के लिए मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर रहे हैं। सुबह से ही लोगों ने कतार में लगकर मतदान किया। युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक में उत्साह दिखा। कई प्रत्याशी भी सुबह ही वोट डालने मतदान केंद्रों में पहुंचे।

फोटो: सुमित कुमार

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।